पाठ 7. बाढ़ का बेटा

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में तदनुरूपता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे अपरिचित परिस्थितियों में जीवन को समझने में सक्षम हो सकें। वे स्थितियाँ जिन्हें देखकर लगता है कि संकट आ गया और न जाने अब क्या-क्या घटेगा-मिलेगा? हिम्मत और दृढ़ संकल्प वाले लोग अपनी मेहनत और आत्मबल के सहारे उन विषम-विकट परिस्थितियों से मुसकराते हुए जूझते भी हैं और विजय भी प्राप्त करते हैं। बाढ़ के बेटे ने किसी सहायता राशि के बगैर कैसे अपने बलवान संस्कारों के बल पर स्थितियों को फिर-फिर सँवारा, यह देखते ही बनता है।

पाठ का सार

बाढ़ और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएँ जीवन का हिस्सा हैं। जो हिम्मत वाले लोग होते हैं वे अभिशापों को वरदान में बदल लेते हैं। प्रयाग सहनी के बेटे बिसेसर व उसकी पत्नी सुकिया ने बाढ़ आने पर मिली चुनौती का हिम्मत से सामना किया। प्रयाग सहनी ने अपने बेटे को जीवन जीने की कला जो सिखा दी थी। बाढ़ ने खेत-खलिहान ही नहीं, घर की बहुत सारी चीज़ों और घर को भी ध्वस्त कर दिया। गाँव का ऊँचा टीला 'नुनफर' गोवर्धन पर्वत के रूप में साबित हुआ। गाँव के बाकी लोगों की तरह बिसेसर ने भी वहाँ शरण ली। जब सरकारी सहायता के रूप में रुपये और सामान बँटने लगे तो बिसेसर ने उसके लिए हाथ नहीं बढ़ाया। बिसेसर और उसकी पत्नी ने अपने ही साधनों, अपनी समझ और साहस के सहारे जीवन को फिर अपने पैरों पर पूरे स्वाभिमान के साथ खड़ा किया। सुकिया के गहने बेचकर बीज-खाद खरीदने वाले बिसेसर को पूरा विश्वास था कि आगे का वक्त सुनहरा है। उससे जीवन में फिर रोशनी आएगी। इस प्रकार बिसेसर ने संदेश दिया कि आपदा से घबराना नहीं, उससे जीवन की प्रेरणा लेनी चाहिए।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  पाठ प्रारंभ करने से पूर्व अध्यापक के लिए वातावरण व मनस्थिति तैयार करने के लिए ग्रामीण जीवन, वहाँ की चुनौतियाँ और वहाँ के लोगों के जुझारूपन को बताना आवश्यक रहेगा। फिर वाचन के दोनों रूपों, शब्दार्थों व उच्चारण के परिमार्जन के साथ-साथ विषयवस्तु का संप्रेषण सहज रूप में करना असरकारक रहेगा। प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों के सहयोग से सृजित करने में विद्यार्थियों के अर्जित ज्ञान, संवेदन और समझ की परीक्षा भी होगी और परिमार्जन भी।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 3** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - उचित हिंदी पर्याय के लिए विद्यार्थियों की सहभागिता से ही शब्द खोजे जाएँ तो बेहतर रहेगा। कारक की सही पहचान पारिभाषिक शब्दावली से बाहर आकर भी कराई जानी चाहिए। कारक और पर्याय शब्दों के विषय में समीचीन जानकारी देना ज़रूरी है।

क्रियाकलाप के लिए संकेत

- एक पत्र लिखवाएँ जिसमें इस कहानी के मुख्य चरित्र का वर्णन किया गया है। पत्र के विभिन्न अंगों की जानकारी बच्चों को दी जाए। जिस बच्चे का पत्र सबसे अच्छा हो उसका वाचन कक्षा में उसी बच्चे के द्वारा करवाया जाए।
- प्राकृतिक आपदा और उसका सामना करते लोगों से साक्षात्कार लेने के लिए प्रश्नावली तैयार करवाएँ। इसमें कक्षा की सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित करें।